विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 27-06-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

पञ्चमः पाठः

हिन्दी अर्थ लिखिए।

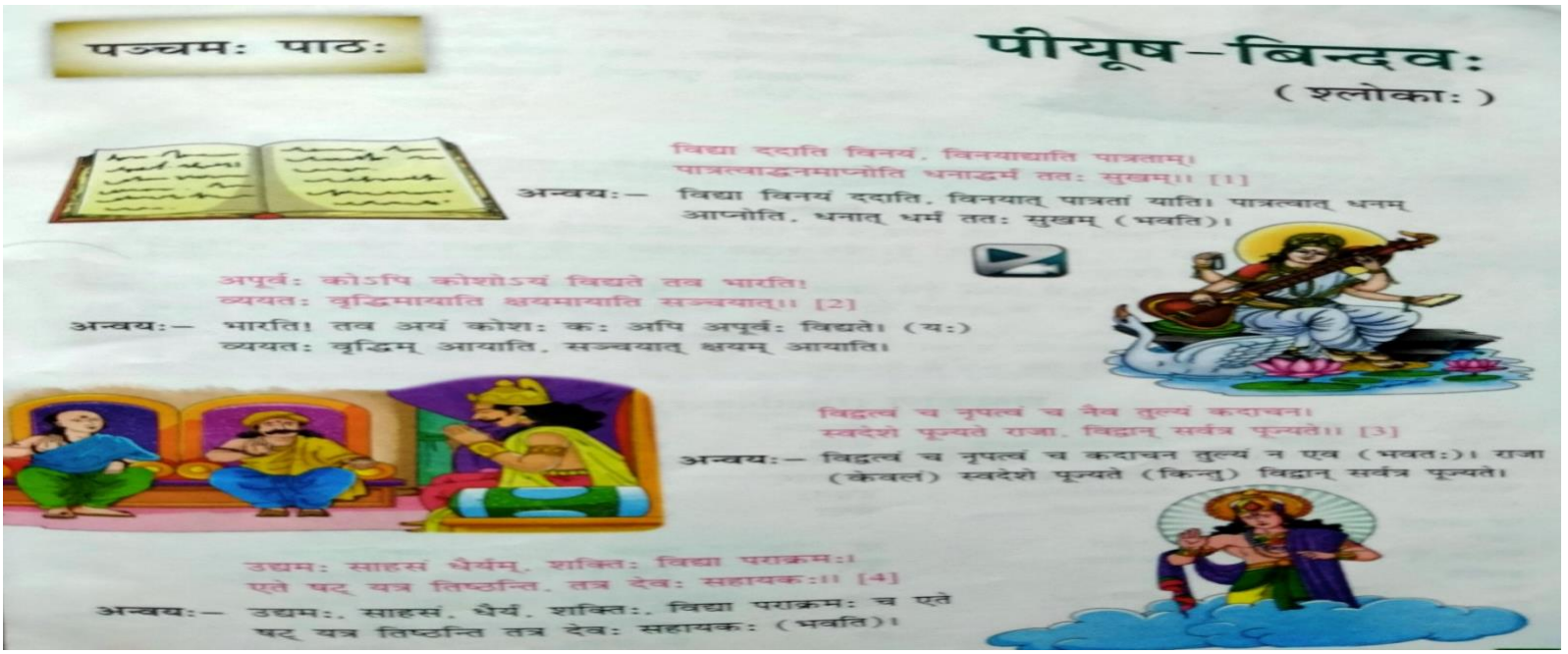

काकचेष्टा बको ध्यानं, श्वाननिद्रास्तथैव च।
अल्पाहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थिनो पञ्च लक्षणम्।। [5]

अन्वयः– काकः चेष्टाः, बकः ध्यानं, तथा एव (च) श्वाननिद्राः, अल्पाहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थिनो पञ्च लक्षणं (भवति)।

रूपयौवनसम्पन्नाः विशालकुलसम्भवाः।
विद्याहीनाः न शोभन्ते, निर्गन्धा इव किंशुकाः।। [6]

अन्वयः– (ये) रूपयौवनसम्पन्नाः विशालकुलसम्भवाः (परं) विद्याहीनाः (भवन्ति), (ते) निर्गन्धाः किंशुकाः इव न शोभन्ते।

विशेष

- श्लोक का अन्वय करते समय यदि भाव स्पष्ट न हो रहा हो, तो अपनी तरफ़ से शब्द जोड़कर अर्थ स्पष्ट करते हैं। ऐसे शब्दों को ( ) में लिख देते हैं। जैसे श्लोक संख्या 3 में 'भवति', 'केवलं' व 'किन्तु' का प्रयोग करते हुए अन्वय किया गया है।
- श्लोकों में लय मात्रा की दृष्टि से शब्दों जैसे-क्रिया, कर्ता, कर्म इत्यादि को आगे पीछे लिख दिया जाता है। इन्हें ही सही क्रम में गद्य रूप में लिखने को 'अन्वय' कहते हैं। अन्वय करते समय निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए–

(*i*) संधियुक्त शब्दों का संधिविच्छेद करना। (*ii*) क्रिया को अंत में लिखना।
(*iii*) अर्थ के अनुसार शब्दों को गद्य रूप में लिखना।

शब्दकोश (Dictionary)

याति	जाता है	Goes	पात्रताम्	योग्यता	Ability
अपूर्वः	अनोखा	Extraordinary	कोशः	खजाना	Treasure
व्ययतः	खर्च करने से	By spending	सञ्चयात्	एकत्रित करने से	By accumulation
क्षयम्	नष्ट होना	Decrease	विद्वत्वम्	विद्वता	Wisdom
कदाचन	कभी	Sometimes	उद्यमः	परिश्रम	Hardwork
साहसम्	साहस	Courage	चेष्टा	प्रयास	Effort

नई धातुएँ

आप्	प्राप्त करना	To get	या	जाना	To go
सम् + भू	उत्पन्न होना	To bear	पूज्	पूजा करना	To worship

अव्यय

ततः	इसके बाद	After that	अपि	भी	Too
यत्र	जहाँ	Where	तत्र	वहाँ	There
तथैव	वैसा ही	Like that	इव	के समान	Like